भारत के कूटनीतिक कदम: पाकिस्तान के खिलाफ बढ़ता तनाव

पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिक्रिया में भारत के सुरक्षा मंत्रिमंडल द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए कूटनीतिक कदम एक संतुलित प्रतिक्रिया है, जो बड़े पैमाने पर तनाव की ओर इशारा करते हैं। पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करना, कांसुलर संचालन निलंबित करना और अटारी सीमा एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) को बंद करने के फैसले नई दिल्ली का संदेश है कि वह पाकिस्तान के साथ न्यूनतम स्तर पर ही संबंध रखना चाहती है।

सिंधु जल संधि को स्थगित करने का निर्णय भारत के पहले के फैसले को लागू करने का संकेत है, जिसमें स्थायी आयोग की सभी बैठकों को निलंबित करना, पाकिस्तानी जल टीमों के भारत में साइट विजिट को समाप्त करना और सहायक नदियों पर जलविद्युत और गाद निकालने के प्रोजेक्ट्स जारी रखना शामिल है।

by OJAANK IAS

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया और आतंकवादी संगठन

वीजा रद्द

पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों के वीजा रद्द किए हैं और मिशन की ताकत को कम किया है।

व्यापार बंद

सभी द्विपक्षीय व्यापार गतिविधियों को निलंबित कर दिया गया है।

द्विपक्षीय समझौते

1972 के शिमला समझौते जैसे अन्य द्विपक्षीय समझौतों को निलंबित करने की धमकी दी गई है।

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया भारतीय उपायों को दर्शाती है, लेकिन वह भारत की पीड़ा को संबोधित करने का प्रयास नहीं कर रहा है। वह अपराधियों का पता लगाने के लिए भी तैयार नहीं दिखता, इस तथ्य के बावजूद कि द रेजिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ), जिसने हमले की जिम्मेदारी ली है, पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का एक मोर्चा है।

सिंधु जल संधि का महत्व और प्रभाव

1960: संधि पर हस्ताक्षर

भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए गए।

नदी प्रबंधन

छह नदियों के जल के बंटवारे का प्रावधान - तीन पूर्वी नदियां भारत को और तीन पश्चिमी नदियां पाकिस्तान को।

2025: स्थगन

भारत ने पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी समूहों के खिलाफ "विश्वसनीय" कार्रवाई तक संधि को स्थगित किया।

पाकिस्तान ने संकेत दिया है कि सिंधु जल संधि का निलंबन "युद्ध का कार्य" माना जाएगा यदि इसका मतलब पाकिस्तान को जल प्रवाह में कमी होगा, और भारत द्वारा सैन्य अभियानों के जवाब में जवाबी हमलों की धमकी दी है। यह स्थिति तनाव में वृद्धि और संभावित सैन्य गतिरोध की ओर इशारा करती है।

प्रधानमंत्री मोदी का संदेश और भारत की रणनीति

"कल्पना से परे सजा" की चेतावनी

बिहार की रैली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "कल्पना से परे सजा" देने की चेतावनी दी है।

अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना

नई दिल्ली दुनिया भर के देशों से संपर्क कर रही है, विदेश सचिव विक्रम मिस्री विदेशी राजदूतों को जानकारी दे रहे हैं।

विपक्ष को जानकारी

वरिष्ठ मंत्रियों ने विपक्षी नेताओं को सीमा पार के संबंधों के बारे में जानकारी दी है।

वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों, निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाने पर घृणा, और सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के रुख की व्यापक समझ के कारण, यह संभावना नहीं है कि अमेरिका जैसे अन्य देश नई दिल्ली पर अपने अगले कदमों को सीमित करने का दबाव डालेंगे।

Get full EKLAVYA IAS 2026 PROGRAM Course from Ojaank App Now

Date- 25-04-2025

आज के प्रमुख 🔥 EKLAVYA IAS 2026 PROGRAM 🔥 KA Test Attempt करो तो जाने

Test Link - 👇🏻👇🏻👇🏻

https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/518

Downlode App link 👇🏻👇🏻👇🏻

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.ojaank

पहलगाम आतंकी हमला: पृष्ठभूमि और प्रभाव

पर्यटकों पर हमला

पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, जिससे कई लोग हताहत हुए।

सुरक्षा चिंताएं

पर्यटकों को पुलिस की अनुमति के बिना घाटी में ले जाया गया था, जिससे सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं।

द रेजिस्टेंस फोर्स

हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ ने ली, जो पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का एक मोर्चा है।

पर्यटन पर प्रभाव

हमले ने कश्मीर में पर्यटन उद्योग को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

पहलगाम आतंकी हमले ने भारत-पाकिस्तान संबंधों में तनाव को बढ़ा दिया है। सरकार को जम्मू-कश्मीर सरकार सहित सभी हितधारकों को विश्वास में लेना जारी रखना चाहिए। यह हमला पिछले हमलों जैसे पुलवामा (2019) की याद दिलाता है, जिसके बाद भी इसी तरह के कूटनीतिक कदम उठाए गए थे।

भारत-पाकिस्तान संबंधों का इतिहास

1947: विभाजन

भारत और पाकिस्तान का विभाजन, जिसने दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों की नींव रखी।

1972: शिमला समझौता

युद्धविराम रेखा को नियंत्रण रेखा में बदला और कश्मीर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को अस्वीकार किया।

सीमा पार आतंकवाद

पाकिस्तान आधारित आतंकवादी समूहों द्वारा भारत पर लगातार हमले संबंधों में प्रमुख बाधा बने हुए हैं।

1972 का शिमला समझौता, जिसे पाकिस्तान ने निलंबित करने की धमकी दी है, व्यावहारिक रूप से निष्क्रिय है। इसने सबसे उल्लेखनीय रूप से युद्धविराम रेखा को नियंत्रण रेखा में बदल दिया था और कश्मीर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को अस्वीकार किया था। दोनों देशों के बीच संबंधों का इतिहास जटिल रहा है, जिसमें कई युद्ध और संघर्ष शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और भू-राजनीतिक प्रभाव

अमेरिका का रुख

सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के स्टैंड की व्यापक समझ के कारण, अमेरिका जैसे देश नई दिल्ली पर अगले कदमों को सीमित करने का दबाव नहीं डालेंगे।

संयुक्त राष्ट्र

निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घृणा व्यक्त की गई है, जिससे भारत को कूटनीतिक समर्थन मिल रहा है।

वैश्विक समुदाय

विदेश सचिव विक्रम मिस्री विदेशी राजदूतों को जानकारी दे रहे हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में, भारत को अपने कूटनीतिक कदमों के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिलने की संभावना है। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की स्थिति मजबूत है, और निर्दोष पर्यटकों पर हमले ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में आक्रोश पैदा किया है। भारत की कूटनीतिक पहुंच इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

आगे का रास्ता: शांति की संभावनाएं

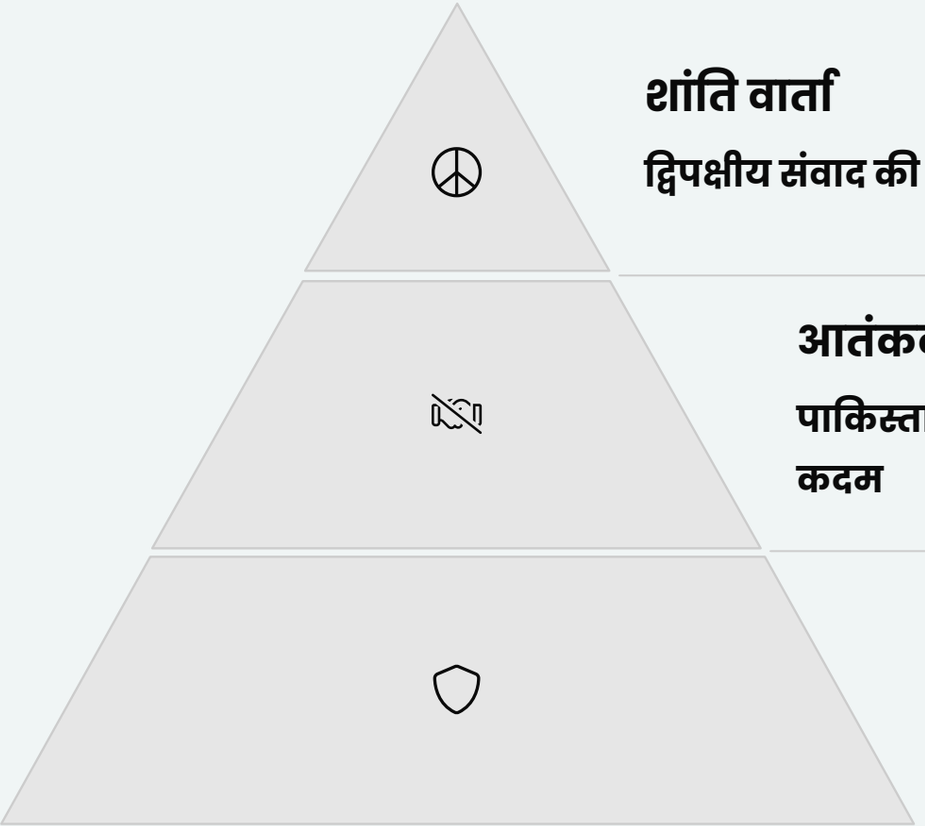

शांति वार्ता

द्विपक्षीय संवाद की बहाली

आतंकवाद पर कार्रवाई

पाकिस्तान द्वारा अपनी भूमि पर आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस कदम

सुरक्षा सहयोग

सीमा पार आतंकवाद से निपटने के लिए खुफिया जानकारी साझा करना

पाकिस्तान को अपनी अलाभकारी स्थिति पर पुनर्विचार करने से लाभ हो सकता है, और अभी भी, यह दिखाने का अवसर है कि वह आतंकवादी समूहों के खिलाफ काम करने के लिए तैयार है, और आने वाले तनाव को टालने का प्रयास कर रहा है। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पाकिस्तान को अपनी भूमि पर काम कर रहे आतंकवादी समूहों को खत्म करना होगा।

दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने और शांतिपूर्ण संबंधों की बहाली के लिए पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाना आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन अंततः दोनों पड़ोसी देशों को ही अपने मतभेदों को सुलझाना होगा।

Date - (25-04-2025)

Get full PYQ Test -19 Course from Ojaank App Now.

आज के प्रमुख Test करो तो जाने 👇👇👇

Link - https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/530

(Download The Ojaank App) 👇👇👇

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.ojaank

Follow Ojaank Sir

Ojaank

IAS with Ojaank Sir

Ojaank_Sir

IAS with Ojaank Sir

Free PDF Content

पाने के लिए अभी JOIN करें

8285894079

8285894079

👉 Visit our official website to get the same UPSC Special Current News PDF: www.ojaank.com

👉 Daily free English news PDF link:
https://www.ojaank.com/books/current-affairs-magazine

👉 Daily free Hindi news PDF link : https://www.ojaank.com/hindi/books/current-affairs-magazine